भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
सैन्य कार्य विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2536
04 अगस्त, 2023 को उत्तर के लिए

रक्षा बलों में महिलाएं

2536. श्री तापिर गाव:
श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवालः
श्री पी.सी. मोहनः

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय संपूर्ण देश में विभिन्न रक्षा बलों में कार्यरत महिलाओं की सेवा-वार/स्कंध-वार संख्या कितनी है ;

(ख) क्या सरकार ने रक्षा नियुक्तियों में महिलाओं की कार्य दशाओं के संबंध में कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने उनकी सुविधा के अनुसार, उन्हें तैनात करने के लिए कोई नियम बनाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(घ) सरकार द्वारा महिला सैनिकों की बेहतरी और बलों में और अधिक महिला कैडेटों को समायोजित करने के लिए अन्य क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क): विभिन्न रक्षा सेनाओं में कार्यरत महिला कार्मिकों की संख्या:

भारतीय सेना:

क्र.सं.	श्रेणी	महिलाओं की धारित संख्या (01 जनवरी, 2023 तक)
(क)	महिला अधिकारी (सैन्य चिकित्सा कोर (एएमसी)/सैन्य दन्त चिकित्सा कोर (एडीसी) को छोड़कर)	17,33
(ख)	जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ)	00
(ग)	अन्य रैंक (ओआर)	100

भारतीय वायु सेना:

क्र.सं.	श्रेणी	महिलाओं की धारित संख्या (01 जुलाई, 2023 तक)
(क)	महिला अधिकारी (चिकित्सा एवं दन्त चिकित्सा शाखाओं को छोड़कर)	1654
(ख)	वायु सैनिक (अग्निवीर वायु)	155

भारतीय नौसेना:

क्र.सं.	श्रेणी	महिलाओं की धारित संख्या (26 जुलाई, 2023 तक)
(क)	महिला अधिकारी (चिकित्सा और दन्त चिकित्सा अधिकारियों को छोड़कर)	580
(ख)	नाविक (अग्निवीर)	726

चिकित्सा और दन्त चिकित्सा शाखाएं: सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा (एएफएमएस) में महिलाओं (संवर्ग-वार और सेना-वार) की कुल संख्या (1 जुलाई, 2023 की स्थिति के अनुसार) :-

कोर / सेवा	सेना	नौसेना	वायु सेना
सैन्य चिकित्सा कोर (एएमसी)	1212	151	274
सैन्य दन्त चिकित्सा कोर (एडीसी)	168	10	05
सैन्य नर्सिंग सेवा (एमएनएस)	3841	380	425

(ख) और (ग): भारतीय सशस्त्र सेनाओं में, पुरुष और महिला अधिकारी जो शस्त्र और सेनाओं में कार्यरत हैं, उनकी तैनाती और कार्य की स्थितियों में कोई अंतर नहीं है । संगठनात्मक आवश्यकताओं के अनुसार इनकी तैनाती की जाती है । महिलाओं और पुरुषों, दोनों के लिए प्रशिक्षण, तैनाती, पदोन्नति, आबन्धन शर्तें आदि समान है । भारतीय सशस्त्र सेनाओं में रोजगार से संबंधित नियमों में पुरुष और महिलाओं में कोई भेदभाव नहीं किया जाता है और समान अवसर प्रदान किए जाते हैं ।

(घ): भारतीय सेना:

भारतीय सेना महिला अधिकारियों को भर्ती होने के लिए सक्षम नीति को अपनाकर सेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करती है :-

(i) महिला अधिकारियों (डब्ल्यूओ) को 12 शस्त्र और सेवाओं (सैन्य चिकित्सा कोर, सैन्य दन्त चिकित्सा कोर और सैन्य नर्सिंग सेवा) में जहां उनको कमीशन किया जाता है, को स्थायी कमीशन (पीसी) प्रदान किया जाता है । भारतीय सेना ने पूरी तरह से महिला और पुरुष में बिना किसी भेदभाव के 12 शस्त्र/सेवाओं में जहां वे कार्यरत हैं, उनके पुरुष समकक्षों के बीच में समानता सुनिश्चित की है । सभी प्रभावित महिला अधिकारियों की जांच के लिए एक विशिष्ट बोर्ड का गठन किया गया है और परिणामों को अवर्गीकृत किया गया है । नियमित बोर्ड में भी, महिला अधिकारियों को भी पुरुष समकक्षों के साथ-साथ स्थायी कमीशन प्रदान करने पर विचार किया जा रहा है ।

(ii) सशस्त्र सेनाओं ने महिला अभ्यर्थियों के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में भर्ती शुरू की है जिसमें प्रत्येक छः माह में अकादमी में शामिल करने के लिए सेना के लिए 10 कैडेट सहित 19 कैडेट शामिल हैं । महिला कैडेटों का पहला, दूसरा और तीसरा बैच क्रमशः जुलाई 2022, जनवरी 2023 और जुलाई 2023 से एनडीए में प्रशिक्षण शुरू कर चुका है । संगठन इसके लिए सभी प्रशासनिक, प्रशिक्षण और नीतिगत परिवर्तनों के लिए समावेशी उपाय सुनिश्चित कर रहा है ।

(iii) भारतीय सेना में सेना वैमानिकी कोर में महिला अधिकारियों को पायलट के रूप में भी अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं ।

(iv) महिला अधिकारियों को कर्नल (चयन ग्रेड) रैंक के पद पर तैनाती पर भी विचार किया जा रहा है और उन्हें कमान तैनाती दी जा रही है । महिला अधिकारियों जो ट्रांजिसन अवधि के दौरान अनिवार्य करियर पाठ्यक्रमों में शामिल नहीं हो सकी, के करियर प्रगति में किसी बाधा को समाप्त करने के लिए कतिपय छूट भी प्रदान की गई है ।

भारतीय सेना में सैन्य पुलिस कोर में अन्य रैंक (ओआर) के रूप में महिलाओं की भर्ती का प्रावधान वर्ष 2019 में शुरू किया है । इस योजना के तहत 1700 महिलाओं को चरणबद्ध तरीके (लगभग 100 प्रति वर्ष) से भारतीय सेना में भर्ती का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ।

भारतीय नौसेना:

भारतीय नौसेना में महिलाओं को पति के पद-स्थापन वाले स्थान पर तैनाती, पुनर्वास तैनाती और लिंग निरपेक्ष तरीके से अनुकम्पा आधारित तैनाती के अवसर प्रदान किए जाते है । अन्य प्रकार के अवकाश को शामिल करने के प्रावधान भी किए जा रहे हैं । इसके अलावा, भारतीय नौसेना में महिला सैनिकों को अधिक भर्ती करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं:-

(i) सभी शाखाओं/संवर्ग/विशिष्ट क्षेत्रों में महिलाएं: सभी शाखाओं/संवर्ग/ विशिष्ट क्षेत्रों में महिलाओं की भर्ती (पनडुब्बी विशेषज्ञता को छोड़कर) जून, 2023 से आरंभ हुई है।

(ii) ऑनबोर्ड पोत : महिला अधिकारियों को भी तैरते बिलेट्स के युद्धपोतों पर तथा जहाज से आने वाले हेलीकॉप्टर में नेवल एयर ऑपरेशन (एनएओ) के विशेषज्ञ के रूप में नियुक्ति की जा रही है।

(iii) आरपीए शाखा: अब महिला अधिकारी भी रिमोट पायलट एयरक्राफ्ट (आरपीए) शाखा में ज्वाइन कर सकती हैं तथा मार्च, 2021 में प्रथम महिला अधिकारी आरपीएफ स्क्वाड्रन में शामिल हुई।

(iv) समुद्रपार नियुक्ति : महिला अधिकारियों की राजनयिक नियुक्तियां तथा अन्य विदेशी सहयोगी कार्यकलापों में भी प्रतिनियुक्ति की गई है।

(v) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए): एनडीए में महिला कैडेटों की भर्ती को वर्ष 2022 से अनुमति प्रदान की गई है जिसमें महिला अधिकारियों की पीसी अधिकारियों के रूप में भर्ती की जा रही है। नौसेना में महिला अभ्यर्थियों के लिए एनडीए में प्रारंभ में प्रति बैच तीन रिक्तियां आवंटित की गई थी और जून, 2022 में पहले बैच ने ज्वाइन किया है। एनडीए में महिला कैडेटों के लिए रिक्तियों की संख्या को जनवरी, 2024 से आने वाले बैच के लिए 03 से बढ़ाकर 12 कर दिया गया है।

(vi) भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए): आईएनए में महिला कैडेट अब, जनवरी,2024 से '10+2 बीटेक' भर्ती योजना के माध्यम शामिल होने के लिए पात्र हैं।

(vii) महिला अग्निवीर: अग्निवीर योजना के भाग के रूप में महिलाओं की पहले बैच से ही अग्निवीरों के रूप में भर्ती की गयी है। उन्हें अपने पुरुष समकक्षों के समान ही प्रशिक्षण, कार्यकलाप, प्रोफेशनल पाठ्यक्रम और प्रतिधारण मापदंडों का पालन करना होता है।

भारतीय वायु सेना:

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) में महिला कार्मिकों के लिए कार्यस्थल पर आवश्यक अवसंरचना के संदर्भ में सुविधाओं का मूल्यांकन किया जाता है और स्केल्स ऑफ अकोमोडेशन, 2022 और इस विषय पर प्रासंगिक राजकीय आदेशों द्वारा प्राधिकृत होने के अनुसार प्रदान किया जाता है।

भारतीय वायुसेना में अधिकारियों की भर्ती लिंग निरपेक्ष आधार पर की जाती है। महिला अधिकारियों को भारतीय वायु सेना की सभी शाखाओं और स्ट्रीम्स में भर्ती की जाती है।

(i) भारतीय वायुसेना में करियर के लिए अवसरों से संबंधित सूचना को प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और विशेष प्रचार अभियानों के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रचारित किया जाता है। जुलाई, 2017 से फ्लाइंग एसएससी (महिला) के लिए एनसीसी विशेष भर्ती के माध्यम से भी भर्ती की जाती है।

(ii) वर्ष 2015 में भारतीय वायु सेना द्वारा शुरू सभी युद्धक भूमिकाओं में महिला अधिकारियों को भर्ती करने की प्रायोगिक योजना को वर्ष 2022 में नियमित करके स्थायी योजना बना दिया गया है। इस प्रकार लिंग निरपेक्ष दृष्टिकोण से भारतीय वायुसेना की महिला अधिकारियों के लिए सभी युद्धक भूमिकाओं में बिना किसी बाधा के रोजगार की सुविधा प्राप्त हो रही है।

(iii) भारतीय वायुसेना ने जून, 2022 (तकनीकी एवं गैर-तकनीकी) में प्रारंभ किए गए पाठ्यक्रम एनडीए के जरिए पीसी अधिकारियों के रूप में महिलाओं को भर्ती करना शुरू कर दिया है। एनडीए में महिला कैडेट्स की भर्ती को अगले पांच वर्षों के लिए 6 रिक्ति (वायुसेना के लिए) प्रति पाठ्यक्रम निर्धारित है।

(iv) वायुसेना मुख्यालय में 'दिशा प्रकोष्ठ' पूरे देश में भारतीय वायुसेना में अधिकारी संवर्ग हेतु भर्ती/कैरियर से संबंधित विभिन्न भर्ती प्रचार कार्यक्रम का आयोजन करता है। महिला अभ्यर्थियों को इस प्रकार के प्रचार अभियानों के दौरान वायुसेना को प्राथमिक कैरियर विकल्प के तौर पर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

(v) महिला अधिकारियों द्वारा प्रेरक व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है ताकि महिला छात्राओं के साथ परस्पर वार्ता करने एवं उनकी आशंकाओं को समाप्त करने का अवसर मिल सके। भारतीय वायुसेना को कैरियर के रूप में चुनने का दायरा इन सत्रों में संभावनाओं, सुविधाओं, वर्क प्रोफाइल, लाभों इत्यादि को कवर करता है।

भारतीय वायुसेना लगातार अपने कार्मिकों के लिए अपने परिवेश एवं अवसंरचना का उन्नयन करती है। महिला भर्ती (अधिकारी के अलावा अर्थात वायु सैनिक) का निष्पादन क्रमिक रूप से किया जा रहा है ताकि महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। प्रत्येक भर्ती में महिलाओं की संख्या में वृद्धि किए जाने की योजना है।

******